No. of Printed Pages : 4 **MESE-061**

MASTER OF EDUCATION (M.Ed.)

00942

Term-End Examination

June, 2014

MESE-061 : OPEN AND DISTANCE LEARNING SYSTEMS

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All the* ***four*** *questions are* ***compulsory.***

(ii) All the questions carry ***equal*** *weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the principles of writing self - learning materials. Support your answer with examples.

OR

How will you use the constructivism approach in designing self- learning materials ? Discuss with the help of suitable examples from the area of your interest.

2. Answer the following question in about **600** words :

What are learner support services ? Discuss non - academic support services provided by a distance education institution to a learner.

OR

Describe Rogerian Counselling and its role in facilitating learning.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) What is a concept mapping ? How is it useful for a course writer ? Discuss.

(b) Discuss ADDIE model of designing instruction. How can it be applied to learning ?

(c) Explain Learning Content Management System (LCMS).

(d) What do you mean by independent learning ? Discuss.

(e) Differentiate between tutoring and counselling.

(f) Discuss uses of internet in open and distance learning system.

4. Answer the following question in about **600** words :

The new teaching and learning environments require the academic staff in both conventional and distance education institutions to assume new responsibilities and to develop a range of new skills. What new skills are required by the teacher and learner in both the systems of education ? Give arguments in support of your answer.

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में)के उत्तर दीजिए :

(a) संकल्पना मैपिंग (Concept Mapping) क्या है? पाठ्यक्रम लेखक के लिए यह किस प्रकार महत्वपूर्ण है? चर्चा कीजिए।

(b) अनुदेशन ढाँचा तैयार करने के ए.डी.डी.आई.ई. (ADDIE) प्रतिमान (Model) की चर्चा कीजिए। इसे अधिगम में किस प्रकार लागू किया जा सकता है?

(c) अधिगम विषय वस्तु प्रबन्धन पद्धति (एल.सी.एम.एस.) की व्याख्या कीजिए।

(d) स्वतन्त्र अधिगम (Independent Learning) से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए।

(e) अनुशिक्षण और परामर्श में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(f) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति में इन्टरनेट के प्रयोगों की चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। परम्परागत और दूरस्थ दोनों शिक्षा-संस्थानों में नये उत्तरदायित्वों को लेने और नवीन कौशलों की शृंखला विकसित करने में नवीन शिक्षण और अधिगम वातावरण के लिए शैक्षणिक स्टाफ़ की आवश्यकता होती है। शिक्षा की दोनों पद्धतियों में शिक्षक और शिक्षार्थी द्वारा किन नवीन कौशलों की आवश्यकता है? अपने उत्तर की पुष्टि में तर्क दीजिए।

एम.ई.एस.ई.-061

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.ई.एस.ई.-061 : मुक्त तथा दूरस्थ अधिगम प्रणाली

समय : 3 घंटे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *चारों प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता* ***समान*** *है।*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

स्व-अधिगम सामग्रियों के लेखन के सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए। अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरणों सहित कीजिए।

अथवा

स्व-अधिगम सामग्रियों का ढाँचा तैयार करने में आप रचनावाद उपागम (Constructivism Approach) का प्रयोग किस प्रकार करेंगे? अपनी रुचि के क्षेत्र से उपयुक्त उदाहरणों द्वारा चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

शिक्षार्थी सहयोगी सेवायें (Learner Support Services) क्या हैं? एक शिक्षार्थी को दूरस्थ शिक्षा संस्थान द्वारा प्रदान की गई गैर-शैक्षणिक सहयोगी सेवाओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

रोंजेरियन परामर्श (Rogerian Counselling) और अधिगम को सुविधाजनक बनाने में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए।